GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS
DEPARTMENT OF PHARMACEUTICALS

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION No. 32
TO BE ANSWERED ON 6TH February, 2024

Availability of Ayurvedic medicines in Jan Aushadhi Kendras at cheaper rates

32 # Dr. Laxmikant Bajpayee:

Will the Minister of **Chemicals and Fertilizers** be pleased to state:

(a) whether there is any plan to make Ayurvedic medicines available at cheaper rates under Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana (PMBJP) as well; and
(b) if so, the details thereof?

ANSWER

MINISTER IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS
(Dr. MANSUKH MANDAVIYA)

(a) to (b): A Statement is laid on the Table of the House.

Statement referred to in reply to the RAJYA SABHA STARRED Q.NO. 32 (2ND POSITION) for answer on 06.02.2024 raised by Dr. Laxmikant Bajpayee regarding Availability of Ayurvedic medicines in Jan Aushadhi Kendras at cheaper rates

(a) to (b): The product basket of PMBJP comprises 1965 medicines and 293 surgicals/ consumables covering all major therapeutic groups such as Cardiovascular, Anti-cancers, Anit-diabetics, Anti-infectives, Anti-allergic, Gastro-intestinal medicines, Nutraceuticals, etc. In addition to this, Ayurvedic products like Chyawanprash Special (500 gm and 1000 gm), Triphala, Shilajit, Ashwagandha, Ayu Raksha Kit, Bal Raksha Kit and Ayush-64 tablet have also been added to the product basket of the Janaushadhi Pariyojana.

*****

भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *32
दिनांक 06 फरवरी, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

जन औषधि केन्द्रों पर सस्ते दर पर आयुर्वेदिक औषधियों की उपलब्धता

***32. डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी:**

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रधान मंत्री जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) में आयुर्वेदिक औषधियों को भी सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने की कोई योजना है; और
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
रसायन एवं उर्वरक मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

जन औषधि केन्द्रों पर सस्ते दर पर आयुर्वेदिक औषधियों की उपलब्धता के संबंध में डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी द्वारा पूछे जाने वाले दिनांक 06.02.2024 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 32 (दूसरा स्थान) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): पीएमबीजेपी की उत्पाद टोकरी में 1965 दवाएं और 293 सर्जिकल/उपभोग्य सामग्री शामिल हैं जिसमें सभी प्रमुख चिकित्सीय समूह जैसे कार्डियोवैस्कुलर, कैंसर-रोधी, मधुमेह-रोधी, संक्रमण-रोधी, एलर्जी-रोधी, गैस्ट्रो-इंटेस्टीनल दवाएं आदि शामिल हैं। इसके अलावा, आयुर्वेदिक उत्पादों जैसे च्यवनप्राश स्पेशल (500 ग्राम और 1000 ग्राम), त्रिफला, शिलाजीत, अश्वगंधा, आयुरक्षा किट, बालरक्षा किट और आयुष-64 टैबलेट को भी जन औषधि परियोजना की उत्पाद टोकरी में जोड़ा गया है।

*****

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी : माननीय सभापति महोदय, जनऔषधि परियोजना के माध्यम से सामान्य जनमानस के 25 हज़ार करोड़ रुपये बचे हैं। 50 से 90 प्रतिशत दवाएं सस्ती दी हैं और 10 लाख लोग नियमित जनऔषधि केंद्रों के ग्राहक हो गए हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि मेरा मूल प्रश्न था कि क्या जनऔषधि केंद्रों पर महंगी आयुर्वेदिक औषधियों को भी शामिल करने पर विचार होगा? मैंने पूछा था कि योजना क्या है? मंत्री जी ने जिन दवाओं का नाम लिया है, वे दवाएं बहुत सस्ती हैं, जो आम जनता की पहुंच में हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या स्वर्ण यौगिक जैसी महंगी औषधियों को भी जनऔषधि केंद्रों पर आयुर्वेदिक औषधि की सूची में शामिल करके जनता को आयुर्वेदिक औषधि सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे?

श्री भगवंत खूबा : महोदय, माननीय सदस्य बहुत वरिष्ठ हैं, वे आयुर्वेद में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर भी हैं और गरीबों के प्रति उनकी चिंता स्वाभाविक है। वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद - यह परियोजना वर्ष 2008 की थी - वर्ष 2014 तक तत्कालीन सरकार की उदासीनता के कारण देश के अंदर केवल 72 केंद्र ही कार्य करते थे। 10 साल के अंदर आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी की कार्यशैली के कारण आज भारत में 10,500 जनऔषधि केंद्र करीब 1965 products basket और 293 surgical/consumables के बास्केट हैं। महोदय, माननीय सदस्य की जो चिंता है, आयुर्वेदिक मेडिसिन को include करने की बात है, तो पीएमबीजेपी संस्था सोसायटी के 1860 एक्ट के अंदर इसको रजिस्टर्ड किया गया। एक structured system है, CEO है और पीएमबीजेपी लगातार मार्किट के अंदर दवाइयों का ट्रैंड देखती है और वह ट्रैंड देखकर सस्ते में गरीबों को उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया करती है। ऑलरेडी हम लोग आयुर्वेदिक मेडिसीन्स, आयुर्वेदिक प्रॉड्क्टस जैसे च्यवनप्राश 500 ग्राम और 1000 ग्राम, त्रिफला, शिलाजीत, अश्वगंधा, आयुष सुरक्षा किट, बाल रक्षा किट, आयुष 65 टेबलेट्स को लगातार include करते जा रहे हैं। मैं समझता हूं कि मार्किट ट्रैंड के अंदर स्ट्डी होगी, तो निश्चित रूप से आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी : सभापति जी, मेरा प्रश्न कुछ और था और माननीय मंत्री जी ने छपा हुआ उत्तर ही पढ़ दिया है। मैं आपके माध्यम से पुनः यह बात जानना चाहता हूं कि आयुर्वेदिक दवाएं सामान्य जनमानस की परिधि से दूर हैं। भले ही वे सोसायटी में हों। आयुर्वेदिक सोसायटी के अधीन एलौपेथिक दवा भी दी जा रही हैं, तो सोसायटी में निर्णय कराकर क्या सरकार उन स्वर्णयौगिकों को, जो बहुत महंगे मिलते हैं, जनता के लिए लाभकारी होते हैं और जिनका कोई साइडइफैक्ट नहीं होता है। ...(**व्यवधान**)... क्या सरकार उसपर विचार करेगी?

श्री सभापति: माननीय मंत्री जी।

श्री भगवंत खूबा: महोदय, मैंने संक्षेप में उसका उल्लेख किया है। हमारी पीएमबीजेपी मार्किट के अंदर आयुर्वेदिक दवाइयों के बारे में सर्वे करती है कि मार्किट में क्या ट्रैंड चल रहा है। उस मार्किट

के ट्रैंड के हिसाब से हम उसको include कराने का प्रयास करते हैं। निश्चित रूप में हम मार्किट ट्रैंड में उसको लेकर प्रयास करेंगे।

श्री राकेश सिन्हा: महोदय, जन औषधि केन्द्र का एक बड़ी क्रांतिकारी योजना के तहत माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसका विस्तार किया है। जब मैंने एक जन औषधि केन्द्र का उदघाटन किया, तब मुझे स्वयं इसका अनुभव हुआ। जब मैंने पूछा, तो पता चला कि बाहर जो दवाइयां 3,500 रुपये की मिलती हैं, वे 250-300 रुपये में लोगों को मिल रही हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अभी 10,500 जन औषधि केन्द्र हैं। इन जन औषधि केन्द्रों में Tuberculosis की जो दवाइयां होती हैं, उसका कोई पैकेज बनाकर दिया जाएगा, जिससे कि Tuberculosis के पेशेंट्स, टी.बी. के पेशेंट्स जन औषधि केन्द्र में सुविधाजनक तरीके से उस पैकेज को ले सकें।

श्री भगवंत खूबा: महोदय, माननीय सदस्य ने टी.बी. औषधि के बारे में बताया। हमारा जो प्रोड्क्ट बास्केट 1965 है, उसके अंदर कोई भी मरीज स्वयं केन्द्र पर जाकर खरीद सकता है। हमारे पास ऐसी कोई किट बनाकर देने का कोई प्रोविजन नहीं है। हमारे पास प्रोड्क्ट्स अवेलेबल हैं, वे उन सारे प्रोड्क्ट्स को सस्ते में खरीद सकते हैं।

DR. FAUZIA KHAN: Mr. Chairman, Sir, given the commercialisation of Ayurvedic industry and the challenges in ensuring the safe usage of Ayurvedic medicines, what has the Government done to include Ayurveda in the Pharmacovigilance Programme for effective monitoring and reporting of adverse reactions? Is the Ministry taking steps to formalize the Pharmacovigilance Programme in Ayurveda also and educate practioners and researchers about reporting adverse reactions, particularly with reference to presence of some minerals and metals in Ayurvedic medicines?

रसायन और उर्वरक मंत्री (डा. मनसुख मांडविया): महोदय, माननीय सदस्या ने जो प्रश्न पूछा है, वह आयुर्वेदिक मेडिसिन के लिए, Pharmacovigilance के लिए है। यहां जो बेसिक प्रश्न है, वह भारतीय जन औषधि परियोजना पर है, जन औषधि केन्द्र पर है, लेकिन मैं उस पर भी रिप्लाई करूंगा। यह आवश्यक है कि सभी में Pharmacovigilance होना चाहिए। आयुर्वेद में भी होना चाहिए और उसके लिए भी सरकार निश्चित रूप में कार्यरत है। लेकिन देश में हर नागरिक को सस्ती दवाई मिले, यह मोदी सरकार की रीति-नीति और कार्य पद्धति रही है। मोदी जी ने कभी टोकन में नहीं सोचा है, बल्कि टोटल में सोचा है । एक समय था जब कोई सदस्य पार्लियामेंट के फ्लोर पर कहता था कि हमें एक अस्पताल दे दो, तो उसको अस्पताल दे दिया जाता था, लेकिन एक holistic approach के साथ, total approach के साथ मोदी जी ने health sector को देखा और इसके लक्ष्य पर आगे बढ़े, health की सुविधा accessible होनी चाहिए, health की सुविधा affordable होनी चाहिए। सरकार ने health को accessible करने के लिए 1 लाख 64 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर आज देश में कार्यरत हैं। वैसे ही जब हम आयुष्मान

आरोग्य मंदिर बनाते हैं, तो वहां पर डाक्टर चाहिए। इसके लिए मोदी गवर्नमेंट ने देश में MBBS की सीट्स डबल की हैं, पहले 350 मेडिकल कालेज होते थे, आज 760 मेडिकल कालेज हो गए हैं। देश में 1 लाख 7 हजार MBBS की सीट हो गईं, पीजी की सीट्स भी डबल हो गई, ताकि देश के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में, हॉस्पिटल में डाक्टर उपलब्ध हो। डाक्टर्स उपलब्ध हो गए, तो लोगों को सस्ती दवाइयां कैसे मिलें, सस्ता ट्रीटमेंट कैसे मिले, affordable healthcare कैसे उपलब्ध हो, इसलिए मोदी गवर्नमेंट ने आज से 10 साल पहले, 11 साल पहले --- अमेरिका में ओबामा ने Obamacare के नाम से अमेरिका के 10 करोड़ लोगों को health security दी थी और वह Obamacare के नाम से सारी दुनिया में पॉपुलर हुई। प्रधान मंत्री मोदी जी ने देश में 12 करोड़ ...(**व्यवधान**)...

SHRI SAKHET GOKHALE: Sir, the question is on pharmacovigilance. *...(Interruptions)..*

डा. मनसुख मांडविया: मैं question की reply पर आऊंगा।

MR. CHAIRMAN: Mr. Gokhale, sit down.

डा. मनसुख मांडविया: आपको 12 करोड़ important माहिती मिल रही है। आपको इसमें क्या दिक्कत है, आपके question की reply तो मैंने पहले ही दे दी है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI SAKET GOKHALE: Sir,*....(Interruptions)..*

MR. CHAIRMAN: Mr. Saket Gokhale, you need to behave. ...(Interruptions).. Take your seat. *(Interruptions)...*

DR. FAUZIA KHAN: Sir, my question is on pharmacovigilance.

MR. CHAIRMAN: The Member is capable of asking questions. *...(Interruptions)...* Please take your seat. Do not be indecorous.

डा. मनसुख मांडविया: सर, 12 करोड़ फैमलीज़ को यानी 60 करोड़ लोगों को health security देकर देश में पांच लाख की मुफ्त इलाज की गारंटी नरेन्द्र मोदी जी ने देश के नागरिकों को दी है। वैसे ही देश के गरीब लोगों को सस्ती दवाइयां मिलें और बिना दवाई के किसी भी परिवार के सदस्य की मृत्यु नहीं होनी चाहिए, उसके लिए देश में 10,500 से अधिक जन औषधि केंद्र चलाए जा रहे हैं ताकि देश में गरीबों को सस्ती दवाइयां मिल सकें। जो उनको medicine मिले, वह quality medicine हो, उसके लिए एक vigilance system हो, जो कि आयुर्वेद के लिए भी हो

और एलोपैथिक के लिए भी हो। दोनों quality medicine मिलें और वह data based हो, उसके लिए data create हो और data के आधार पर उसकी efficacy तय की जाए और efficacy के आधार पर उसका उपयोग हो, उसके लिए यह भारत सरकार ने सुनिश्चित किया है। यह एक continuous प्रक्रिया है और यह continuous चलती रहती है। हम इस पर काम करते रहेंगे।

MR. CHAIRMAN: Shri Binoy Viswam.

SHRI BINOY VISWAM: Sir, my question is related to Kottakkal Arya Vaidya Sala. As the whole nation knows, it is the number one in the research and treatment of ayurveda medicines in the country. I ask of the Government: Will the Government be ready to take the experience and traditions of that Vaidya Sala and its experience and experiments in the country for the growth and development of medical treatment in the branch of medicine for the nation as a whole. Thank you.

MR. CHAIRMAN: Hon. Minister.

श्री भगवंत खूबा : सर, यह प्रधान मंत्री जन औषधि केंद्र के संबंध में है, माननीय सदस्य ने इंस्टीट्यूशन के बारे में पूछा है, उससे संबंधित जानकारी उनको पहुंचा दी जाएगी।

MR. CHAIRMAN: Q. No. 33.